

संपादक की कलम से

जीवनदायिनी हैं आयुर्वेद की जड़ी-बूटियां



आज दुनिया में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धति का डंका बज रहा है। विश्व के सभी देशों में आयुर्वेद पहुंच गया है। आयुर्वेद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि समग्र स्वास्थ्य के बारे में बात करता है। आयुर्वेद दिवस हर साल धन्दन जयंती के दिन मनाया जाता है। इस बार आयुर्वेद मन्त्रालय ने अन्य मन्त्रालयों के सहयोग से लगभग सौ से अधिक देशों में इस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की योजना बनाई है। इस वर्ष आयुर्वेद का विषय ह्याएक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद रखा गया है। भारत सरकार देश में ४वें ग्राहीय आयुर्वेद दिवस को एक महीने तक अभियान के रूप में मनाएगी। आयुर्वेद दिवस का मुख्य आयोजन ९-१० नवंबर २०२३ को हरियाणा के पंचकुला में होगा। देशभर के किसान इस आयोजन में भाग लेंगे। इस अवसर पर किसानों को औषधीय पौधों की खेती के बारे में जानकारी दी जाएगी।

आयुर्वेद का जन्म लगभग पांच हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था। इस औषधि का वर्णन करने वाले प्राचीन ग्रंथ 1500 ईसा पूर्व के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आयुर्वेद को एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्वीकार किया गया है। आयुर्वेद प्राचीन भारतीय प्राकृतिक और समग्र वैद्य-शास्त्र चिकित्सा पद्धति है। संरक्षित भाषा में आयुर्वेद का अर्थ है जीवन का विज्ञान। आयुर्वेद के अनुसार व्यक्ति के शरीर में वात, पित्त और कफ जैसे तीनों मूल तत्त्वों के संतुलन से कोई भी बीमारी नहीं हो सकती, परंतु यदि इनका संतुलन बिगड़ता है, तो बीमारी शरीर पर हाही होने लगती है। अंग्रेजी दावाएं रोग से लड़ने के लिए डिजाइन की जाती हैं, वहाँ आयुर्वेदिक औषधियां रोग के विरुद्ध शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं ताकि आपका शरीर खुद उस रोग से लड़ सके। आयुर्वेद के अनुसार कोई भी शारीरिक रोग शरीर की मानसिक स्थिति, त्रिदोष या धातुओं का संतुलन बिगड़ने के कारण होती है। आयुर्वेद चिकित्सक मरीज की रोग प्रतीरोध क्षमता, जीवन शक्ति, पाचन शक्ति, दैनिक दिनर्चय, आहार संबंधी आदतों और यहां तक कि उसकी मानसिक स्थिति की जांच करके रोग निदान करते हैं। आयुर्वेद रोग को जड़ से खत्म करता है। हम कह सकते हैं आयुर्वेद स्वास्थ्य की देखभाल करने की कारगर प्रणाली है। चरक सहितों के अनुसार आयुर्वेद का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के विकारों को खत्म करना है। आयुर्वेद का अर्थ ही है आयु को जानने का संपूर्ण विज्ञान। आयुर्वेद सिर्फ एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है।

हजारों हजार सालों से हम बीमारी के इलाज के लिए पेड़-पौधों या

संजीवनी बूटी माने जाने वाले पौधों का इस्तेमाल करते आये हैं। आयुर्वेद में जड़ी-बूटियों को दवाई के रूप में इस्तेमाल करने का उल्लेख मिलता है। बहुत सी अंग्रेजी दवाइयों के साथ आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा जैसी पद्धतियों में औषधीय पौधों का बहुतायत से प्रयोग हो रहा है। भारत सरकार के ऑल इण्डिया को-ऑफिनेंट रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन एथ्नो-बायोलॉजी द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण में यह बताया गया है की लगभग 8 हजार पेड़-पौधे ऐसे हैं जिनका उपयोग औषधीय गुणों के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में लगभग दो हजार, सिद्धा में लगभग एक हजार और यूनानी में लगभग 750 पौधे ऐसे हैं जिनका उपयोग विभिन्न दवाओं के निर्माण में किया जाता है।

कोरोना संकट में प्रकृति और ऋषि मुनियों द्वारा अपनायी जाने वाली आयुर्वेद चिकित्सा ने हमारा ध्यान खिंचा है। कोरोना में सर्दी, जुकाम, खांसी, गले में खराश आम बात है। दादी नानी के आयुर्वेद नुस्खों ने इनका उपचार भी हमें बताया है। ये नुस्खे इतने ज्यादा कारगर हैं कि डॉक्टर और मेडिकल साइंस भी उन्हें मानने से मना नहीं करते हैं। हल्दी वाला दूध हो या नमक मिले गरम पानी के गरेरे कोरोना के जुकाम और गले दर्द में दोनों ही कारगर इलाज है। अदरक को पानी में उबालकर और फिर शहद के साथ खाया जाए तो यह कफ, गले में खराश और गला खराब होने की दिक्कत से छुटकारा दिला सकती है। अदरक को शहद के साथ खाने से गले में होने वाली सूजन और जलन में भी राहत मिलती है। इसी भाँति अजवायन, लोंग, काली मिर्च, तुलसी गिलोय, मलेठीयुक्त पान, शहद, दालचीनी आदि के नुस्खे भी संजीवनी साबित हुए हैं।

आयुर्वेद और योग भारत द्वारा पूरे मानव समाज और पृथ्वी को दिया

अनमोल उपहार है। आयुर्वेद प्राकृतिक एवं समग्र स्वास्थ्य की पुरातन भारतीय पद्धति है। यदि हमें प्रकृति को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण पर जोर देना होगा। औषधीय पेड़-पौधे लगाने होंगे। जिससे पर्यावरण दबित होने से तो बचेगा ही, साथ ही आयुर्वेद का प्रसार भी होगा।

ਮहिलाओं पर नेताओं के विगड़ते बोल



भारतीय राजनीति में छोटे-बड़े ऐसे कई नेता हुए हैं या हैं जिनकी जुबान का निशाना महिलाएं बनी हैं और फिर बवाल मचा है। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तो हद कर दी। उन्होंने ऐसा कुछ बोला कि जनता सुन कर हैरान है। पहले आपको ऐसे ही अब तक कुछ दूसरे नेताओं की जुबान से निकले महिलाओं पर नेताओं के बिगड़े कुछ बोल बचन के बारे में बातें हैं फिर हम नीतीश कुमार पर आएं।

किसी समय समाजवादी पाठी प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव ने एक लैली में कहा था, "जब लड़के और लड़कियों में कोई विवाद होता है तो लड़की बयान देती है कि लड़के ने मेरा बलात्कार किया। इसके बाद बेचारे लड़के को फांसी की सजा सुना दी जाती है। बलात्कार के लिए फांसी की सजा अनुचित है। लड़कों से गलती हो जाती है।"

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी महिलाओं पर कई बार विवादित बयान दिए हैं। एक पार्टी कार्यक्रम में उन्होंने जयती नटराजन को 'टंच माल' कह दिया था। दिग्मी ने एक बार राखी सावंत पर टिप्पणी करते हुए कहा था अरविंद केजरीवाल और राखी सावंत जितना एक्सपोज करने का वादा करते हैं उतना करते नहीं हैं। उनके इस बयान पर राखी ने उन्हें 'सरिया गए हैं' कहकर दिड़का था।

शरद यादव महिलाओं पर कई बार अभद्र टिप्पणी कर चुके हैं। जेडीयू नेता शरद यादव ने बयान दिया था कि बेटियों की इज्जत से वोट की इज्जत बड़ी है, जिसके बाद सभी तरफ से इसका बयान का खंडन किया गया। शरद यादव ने साउथ की महिलाओं को लेकर कहा था,

'साउथ की महिला जितनी ज़्यादा खूबसूरत होती है, जितना ज़्यादा उसकी बाँड़ी वह पूरा देखने में काफी सुंदर लगती है। वह नहू?य जाननी है।' महिला आरक्षण विधेयक जब पहली बार संसद में रखा गया था तब उन्होंने कहा था कि, इस विधेयक के जरए व?या आप 'प्रकटी महिलाओं' को सदन में लाना चाहते हैं। भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था, महिलाओं को ऐसा श्रृंगार करना चाहिए, जिससे अद्वा पैदा हो, न कि उत्तेजना। कभी कभी महिलाएं ऐसा श्रृंगार करती हैं, जिससे उत्तेजित हो जाते हैं लोग। बेहतर हैं कि महिलाएं लक्षण रेखा में रहें। होली मिलन के एक कार्यक्रम में भाजपा नेता ने कांग्रेस संसद शशि थरू को 'महिलाओं का शौकीन' बताया था।

छत्तीसगढ़ के कोरबा से भाजपा संसद बंसीलाल महतो ने राज्य की लड़कियों के लिए ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी। महतो ने छत्तीसगढ़ के खेल मंत्री

भैयालाल राजवाडे का नाम लेते हुए कहा था कि वो अक्सर बोला करते हैं कि अब बालाओं की ज़स्तर मुंबई और कलकत्ता से नहीं है, कोरबा की टूटी और छत्तीसगढ़ की लड़कियां टानाटन हो गई हैं। समाज में बढ़ती बलात्कार की घटनाओं पर पूछे गए स्वाल पर हरियाणा की एक खाप पंचायत के नेता जितेंद्र छत्तर ने कहा था, "मेरे ख्याल से फास्ट फूड खाने से बलात्कार की घटनाएं बढ़ती हैं। चाउमीन खाने से शरीर के हार्मोन में असंतुलन पैदा होता है। इसी वजह से इस तरह के कार्य करने का मन करता है।"

राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी ने एक बार प्रियंका गांधी के लिए कहा था, 'वह बनारस से चुनाव हार जाएंगी क्योंकि बहुत शराब पीती है।' नेहरू और लेडी माउंबेटन के संबंधों पर भी स्वामी विवादित टिप्पणी कर चुके हैं।

श्रीप्रकाश जायसवाल भाजपा नेता ने एक बार बयान दिया था कि, नई शादी का मजा ही कुछ और होता है और ये तो सब जानते हैं कि पुरी बीवी में वो मजा नहीं रहता। गोवा के मुख्यमंत्री और भारत के रक्षा स्व. मंत्री मोहरर परिक्रमा लड़कियों के शराब पीने पर फैला जाहिर करते हुए कहा था- 'मैं यह लगा हूं क्योंकि अब तो लड़कियां शराब पीने लगी हैं। सहने की क्षमता खत्म हो रही है।'

बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तो हाद कर दी। मैं ही संपन्न जाति आधारित सर्वे आंकड़े आज विधानसभा में करते समय विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पायुलेशन कंट्रोल बाट रखते समय कुछ ऐसा कह जिससे विवाद खड़ा हो गया दरअसल, जनसंख्या नियंत्रण माहिलाओं की पढ़ाई को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश सदन में कुछ छब्बे रहे थे। हालांकि, मुख्यमंत्री ने ऐसा कह दिया जिस पर विधानसभा के अंदर भी विधायक सुना असहज हो गए। उन्होंने कहा बिहार में महिलाओं के साक्षरता है। इसके साथ ही उन्होंने दावा कि

कि अगर लड़कियां पढ़ी-लिखी रहेंगी तो जनसंख्या खुद पर खुद नियंत्रित हो जाएगा। उन्हने कहा कि शादी के बाद तो पुरुष गत में रोज करता ही है ना। उसी में और बच्चा पैदा हो जाता है। इसके साथ ही उन्होंने जो कहा उसको लेकर विवाद और बढ़ गया। नीतीश ने कहा कि लड़की अगर पढ़ लिख ले तो उसको भीतर मत.... उसको डालो। इसी में संख्या घट रही है। हालांकि, नीतीश कुमार के इस अजीबोगरीब बयान पर कुछ महिला विधायक नाराज दिखीं तो वहीं कुछ विधायक हंस भी रहे थे। बिहार विधानसभा के बाद नीतीश कुमार ने परिषद में भी जाने की बातें की। जनसंख्या नियंत्रण पर बातें करते-करते नीतीश कुमार परिषद में कुछ अधिक ही बोल गए। यहां पर उन्होंने वो बातें कह दी, जिसे हम लिख नहीं सकते हैं। नीतीश कुमार जब परिषद में बयान दे रहे थे, तब उनके पीछे बैठी एक महिला मंत्री कभी इधर तो कभी उधर देख रही थी। शायद में मंत्री जी के मन में चल रहा होगा कि गलत समय पर यहां बैठ गई। तब ही तो वह मुंह छिपाने का भी प्रयास कर रही थीं। परिषद में नीतीश ने जो कुछ भी कहा, उसे सुन हर कोई हैरान था। पक्ष और विपक्ष के विधायक भी नीतीश कुमार के बयान से परेशान थे। बिहार मुख्यमंत्री ने जो कुछ भी कहा उसे सुन भाजपा की विधान पार्षद निवेदिता सिंह रो बैठी। सदन से बाहर आने पर निवेदिता सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को शर्मसार करने का काम किया है। भाजपा नेत्री ने कहा कि वे भी एक पिता हैं। हम भी मां, बहन, पती और बेटी हैं। सदन में इस तरह का गंदा बयान देना कहीं से उचित नहीं है। निवेदिता सिंह ने कहा कि सदन में महिला विधायक और एमएलसी मौजूद रहीं। जिसका ख्याल नीतीश कुमार ने नहीं किया। मुख्यमंत्री बोल रहे थे और हम सभी उनकी बातों को सुन रहे थे। मैं तो सदन से बाहर निकल गई। अगर चाहती तो मुख्यमंत्री को जवाब देकर बाहर आती। लेकिन मेरे नेता वहां बैठे थे, इसलिए मैं चुप रही। भाजपा एमएलसी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले विधानसभा में आपत्तिजनक बातें कही। विधान परिषद में हृद पार करते हुए उन शब्दों का प्रयोग किया, जो कहीं से भी उचित नहीं है। शर्मनाक शब्दों का प्रयोग नीतीश कुमार ने वर्णों किया, यह समझ से परे है। मुख्यमंत्री ने अपनी सारी मायार्द को शर्मसार किया है। उनकी बातें मेरे कान ऊंजली रहेगी। निवेदिता ने कहा कि जो विषय पर्दे के पीछे होता है, सारी दुनियां जानती हैं। मुख्यमंत्री अब किसको पढ़ाने लगे हैं। निवेदिता सिंह ने गुस्से में कहा, "मुख्यमंत्री जी विधानसभा और विधान परिषद में सेक्स विद्यालय क्यों नहीं खुलवा देते हैं? जो काम पर्दे के पीछे होता है जो सभी लोग जानते हैं उसे उन्होंने सदन में रखने का काम किया। मुख्यमंत्री ने पूरी महिलाओं को बैडजित कर किया है!" निवेदिता सिंह का कहना था नीतीश कुमार का इंटेंशन शुरू से खराब रहता है, किसी को भी कहीं भी अरे तरे कर देते हैं। कहा जाता है संगत से गुण होत है, संगत से गुण जाय। इनके डिटी मुख्यमंत्री नैर्वी फेल हैं। मुख्यमंत्री जी जो इंजीनियर रहे हैं। इनकी भाषा अच्छी थी, लेकिन इन लोगों के साथ रहते-रहते उनकी भी आदत वैसी ही हो गई है। अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक एवं टिप्पणीकार

बालूद के न्यैर पर पाकिस्तान

-अरावद जयातलक
आतंकवाद को प्रश्न

नीतीजा है कि पाकिस्तान को बार-बार खून के आंसू रोना पड़ रहा है। उसकी धरती बार-बार लहलुहान हो रही है और आतंकियों के आगे उसकी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई घुटने के बल पर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से संबंद्ध तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान के आतंकियों ने पंजाब प्रांत के मियांवाली के टेजिंग बेस पर हमला कर फिर साकित किया है कि बारूद के ढेर पर बैठे पाकिस्तान की कभी भी तबाह कर सकते हैं। इस हमले में तीन विमान नष्ट हुए हैं और करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि हमले में शामिल सभी आतंकी मार गिराए गए हैं फिर भी पाकिस्तान खोफजदा है। इसलिए कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकी पहले भी पाकिस्तानी एयरबेस को निशाना बना चुके हैं। याद होगा 2015 में इन्हीं टीटीपी के आतंकियों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर के निकट एयरफोर्स बेस बादबेर पर हमला कर वायुसेना के 23 कर्मियों समेत कुल 42 लोगों की जान ली थी। तब टीटीपी के आतंकियों ने पाकिस्तानी दावे से इतर 50 सुरक्षाकर्मियों को मार गिराने का दावा किया था। टीटीपी के आतंकियों ने यह हमला पाकिस्तानी सेना द्वारा वजीरिस्तान में आतंकियों के सफाए के लिए चलाए जा रहे जर्ब-ए-अज्ज अभियान से नाराज होकर किया था। उस दरम्यान

कराए थे। लेकिन पाकिस्तान मानने को तैयार ही नहीं कि इसमें हाफिज सईद की संलिप्तता रही है। जबकि पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली द्वारा अमेरिकी अदालत में स्वीकारा जा चुका है कि 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में हुए हमले की साजिशकाताओं में आईएसआई, उसके संचालक मेजर इकबाल और लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद की महत्वपूर्ण भूमिका थी। आतंकियों से गठजोड़ के कारण ही भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पाकिस्तान को टेररिस्तान कहा। लेकिन पाकिस्तान सुधरने को तैयार नहीं है। फिलहाल दुनिया भी मान चुकी है कि पाकिस्तान एक टेररिस्तान देश है। याद होगा गत वर्ष पहले अमेरिकी गृहमंत्रालय की एक रिपोर्ट में पाकिस्तान को उन देशों में शामिल किया गया, जहां आतंकियों को सुरक्षित पनाह दी जाती हैं। कंट्री रिपोर्ट ऑन टेररिज्म के नाम से जारी इस रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने लश्करे तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ कोई एकशन नहीं लिया। ये सभी संगठन पाकिस्तान से संचालित होते हैं और यहीं पर उन्हें प्रशिक्षित भी किया जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पाकिस्तान इन आतंकी संगठनों को फंडिंग करता है। गत वर्ष पहले अमेरिकी विदेश विभाग की वार्षिक रिपोर्ट से भी उद्घाटित हुआ कि पाकिस्तान के संघ प्रशासित क्षेत्र (फाटा), पूर्वोत्तर खैबर पख्तुनवा और दक्षिण-पश्चिम ब्लूचिस्तान क्षेत्र में कई आतंकी संगठन पनाह लिए हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हक्कानी नेटवर्क, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, लश्कर-ए-झंगवी और अफगान तालिबान जैसे अन्य आतंकी समूह पाकिस्तान और पूरे क्षेत्र में अपनी गतिविधियों की योजना के लिए इन पनाहगाहों का फायदा उठाते हैं। गैर करें तो पाकिस्तान में आतंकियों की बढ़ती ताकत सिर्फ पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व बिरादरी के लिए खतरनाक है। इसलिए और कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है और उसके पास सेकंडों परमाणु बम हैं। उसके पास भवंतर आयुधों का जखीरा भी है। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों पर बार-बार हो रहे आतंकी हमले से सबाल उठना लाजिमी है कि कहीं आतंकी जमात पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को हासिल करने की फिराक में तो नहीं है? इससे इंकार नहीं किया जा सकता। याद होगा गत वर्ष पहले उद्घाटित हुआ था कि अमेरिकी पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अपने कब्जे में लेने के लिए किसी आपात योजना पर काम कर रहा है। मई 2011 में अमेरिकी राष्ट्रपति के पूर्व सलाहकार जैक करावेल्ली ने बीबीसी-5 को दिए एक साक्षात्कार में कहा भी था कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों और सामग्री को कब्जे में लेने की गुप्त योजना मौजूद है।

गुणात्मक समृद्धि की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

-ललित गर्ग-
दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान् धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धनवंतरि यजयती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धनवंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दैरग्न प्रकट हुई थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। भ्रष्ट में ग्रन्थ शास्त्रि ग्रन्थिटि गत ग्रन्थान्तरी वांटी लक्ष्मी गारी भानीग्रामा

प्रत्यक्ष आराधना, उपासना
आधिभौतिक, आध्यात्मिक औं
तीनों रूपों का समन्वय व्यक्त
तरह इस उत्सव में उपरोक्त
लक्षणी की उपासना यानी धन
की कामना की जाती है। इस
उत्सव में भी सोने, चांदी, सिं
में आधिभौतिक लक्षणी का आ
संबंध स्वीकार करके पूजन वि
को दीपमाला आदि से अलंकृ
कार्य लक्षणी के आध्यात्मिक
को आविर्भूत करने के लिए।
हम धन का ध्यान करते हैं
आत्मा को अपनी प्रचुरता के
हैं।
हम और ज्यादा के लिए भी
ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो
केतल गेहूं चांदी कांडाएं त

ज्ञान, आनन्द आत्मविशेष भी होती है। सोना च प्रतीक है। दौलत हमारे सारा प्रेम, शांति और दोलत आपको और वास्तविक धन है। आप और आत्म विश्वास 3 है। जब आप ईश्वर के रहे तो इससे बढ़कर क यह शाही विचार तभी 3 और उसकी अनंतता के लहर यह याद रखती है जुड़ी हुई है और समुद्र शक्ति मिलती है। धनतेरस भी है, क्योंकि जड़ी जड़ीबूटियाँ और पेड़-कहते हैं कि धनतेरस अपन दिग्गंगा था।

वास, शाति एवं प्रेम की दौड़ी केवल एक बाहरी भीतर है। भीतर में बहुत आनंद है। इससे ज्यादा यथा चाहिए? ज्ञान ही वाट चरित्र, अपाकी शाति और अपाकी वास्तविक दौलत साथ झुड़ कर आगे बढ़ते ही हैं और दौलत नहीं है। भाभाता है जब आप ईश्वर साथ झुड़ जाते हो। जब कि वह समुद्र के साथ का हिस्सा है तो विशाल स हाँआयुर्वेद का दिन बूढ़ियां भी धन हैं। ऐसा कि धीरे भी धन हैं। ऐसा कि दिन ही मानवता को भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्रयास करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सदृष्टों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदलते हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारण धन कमाना एवं धन की कम्पना करना दी जाती बदा लक्ष्य बनता जा-

है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति बीज हमारी पंचरात्रों में रहे हैं या यह गार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की सिक्कता समाज को कहां ले जाएगी? कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस प्रतिव्रत्ति पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का खर्च त्रिपुणितम् है। उनका तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार सुख कहे गये हैं— तन, मन, धन, पत्नी और सन। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के तीन रूप कहे गये हैं। आदि लक्ष्मी या लक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, श, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), लक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वरास्थ, आयु व समृद्धि), लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात् रक्षा, क्षा), विजया लक्ष्मी (दिग्दिग्दं विजय), लक्ष्मी (दिवा, तान, कला, विवर)। उन-

चित्रकूट - उन्नाव संदेश

पाइप चोरी आरोपियों को हुआ तीन-तीन हजार जुमाना

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सूबे के पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जारी आपरेशन कनिक्षण के तहत न्यायालय में लम्बित वारों की पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने के तहत अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक मऊ राजसा कुमार द्विवेदी व पैरेकार रविप्रकाश कुमार की पैरवी से न्यायालय ने पाइप चोरी आरोपी को तीन-तीन हजार रुपये के जुमाना से डिंडत किया।

बुधवार को सहायक अधियोजन अधिकारी सिद्धार्थ सिंह की प्रभावी बहस के चलते न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट मऊ सुश्री संसेमिना ने थाने में दर्ज पाइप चोरी के आरोपी राज उर्फ राज बाबू पुत्र हीरालाल, हीरालाल पुत्र राजसा व मौदू पुत्र हीरालाल निवासी छिवलहा को तीन-तीन हजार रुपये के जुमाना से डिंडत किया।

जात है कि 20 अप्रैल 2008 को पूर्व थानाध्यक्ष चिरन्जीव मोहन ने बरगढ़ घाटी में रात में बिना लाइट के टूटकर में लदे 60 हजार कीमत के कास्ट आयरन पाइप बरामद किये थे। रात में अंरें का लाभ उठाकर तीनों लोग भाग गये थे। घटना बाबत थाने में तीनों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज हुआ था। पूर्व दरोगा सिवायराम यादव ने विवेचना कर 25 नवंबर 2008 को आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

नदी को मिला नया जीवन, डीएम के प्रयास की सराहना



अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। नदियां रुपडा से बूढ़े हनुमानजी मंदिर तक दो सौ मीटर नदी किनारे की खुदाई पोकलेन मरीन से हुई। बूढ़े पैमाने पर किनारों से सिल्ट निकाली। मन्दिकीनी को यहां नया जीवन मिला।

बुधवार को बुद्धिली सेना जिलाध्यक्ष अंजीत सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के प्रयास से नदी खुदाई व सफाई हो गई है। उन्होंने न केवल सिंचाई विभाग से बोकलेन मरीन से नदी के बीच का टीला हटवाया, नदी की खुदाई व सफाई हो गई है। टीले के आसपास भारी भरकम सिल्ट से नदी पैदी थी। उसकी खुदाई हुई। बुधवार को बूढ़े हनुमानजी तक नदी किनारे से नए जलस्रोत खुलने की उम्मीद है। मौके पर सिंचाई विभाग के एई गुरु प्रसाद भी डरे रहे। उनकी देखरेख में नदी खुदाई व सफाई जारी रहा। पोकलेन मरीन कार्य पूरा कर लौट गई। अंजीत सिंह ने बताया कि पोकलेन मरीन चलाने से नदी को नवजीवन मिला है। नदी की सुंदरता में चार चांद लग गए हैं। अधियान के लिए जिलाधिकारी के प्रति आभार जाता। सिंचाई विभाग के प्रयासों की भी सराहना की गई।

बराछ से इंटी क्लेक्टर ने हटाया अवैध कब्जा



अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भरतकूप क्षेत्र के बराछ गांव में सरकारी जमीन पर कुछ लोगों के अवैध कब्जे पर प्रशासन ने बुलडॉजर चलवाया।

बुधवार को बराछ गांव में सरकारी जमीन पर कुछ लोग अवैध कब्जा कर उपयोग कर रहे थे। पूर्व में कई बार अवैध कब्जा हटाने को कहा गया, कब्जा नहीं हटाया। अवैध कब्जे पर पंचायत भवन का निर्माण बाधित हो रहा था। प्रशासन ने यह बताया।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को ध्वस्त कर कब्जेधारियों को चेताया कि भविष्य में अवैध कब्जे पर क्लेक्टर अनंद ने बुलडॉजर चलवाया। नव प्रोनेट डिप्टी क्लेक्टर अमित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अवैध कब्जा चित्रकूट कर रहा है। जब तक क्लेक्टर अनंद ने बुलडॉजर चलवाया तक नहीं तो वह अवैध कब्जे को ध्वस्त कर देंगे।

दस्यु खरदूषण को गैंगस्टर एक में हुई छह वर्ष की सजा, दस हजार का जुमाना भी हुआ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सूबे के पुलिस महानिदेशक के जारी आपरेशन कनिक्षण के तहत न्यायालय में लम्बित वारों की पैरवी कर अपराधियों को सजा दिलाने को पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देशों के अनुसालन में थानाध्यक्ष बहिलपुरावा राम सिंह व पैरेकार महेश्वरीदीन की पैरवी से न्यायालय ने गैंगस्टर आरोपी दस्यु खरदूषण को छह वर्ष सात माह की सजा व दस हजार रुपये के जुमाना से डिंडत किया।

बुधवार को सहायक क्षेत्र के चलते न्यायालय अपर न्यायाधीश/एफटीसी न्यू सुप्रीम कुमार वर्मा ने बहिलपुरावा थाने में दर्ज गैंगस्टर एक आरोपी खरदूषण उर्फ भद्रयन उर्फ टायग और हीरालाल निवासी नेतरा थाना मऊ को छह वर्ष सात माह की सजा समेत दस हजार रुपये के जुमाना से डिंडत किया। जात है कि 15 अक्टूबर 2014 को पूर्व थानाध्यक्ष बहिलपुरावा सर्सी-न्दू प्रसाद शुक्ला ने खरदूषण समेत गैंग के छह लोगों पर गैंगस्टर एक दर्ज किया था। पूर्व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी ने मामले की विवेचना को न्यायालय में आरोपी के खिलाफ एक जनवरी 2016 को आरोप पत्र दाखिल किया था। आरोपी 26 अप्रैल 2017 को गिरफतार हुये थे।

लम्बित विवेचनाओं को जल्द करें निस्तारित: सीओ

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृद्धा शुक्ला के निर्देश पर उप मिलेदस युनिवर्सिटी योजना के तहत प्रशिक्षण एवं क्षमतावर्धक घटकों ने स्कूल कैरीकूलम से अध्यापकों के प्रशिक्षण का आयोजन कृषि भवन के सभागर में किया।

बुधवार को वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र गणवीर मास्टर ड्रेनर डॉ विजय कुमार गोत्तम, कृषि विशेषज्ञ डा. रंजित सरोज ने जिले के प्राइमरी, जूनियर स्कूलों व

निकायों को जोड़ भाजपा ने बना दी ट्रिपल इंजन की सरकार: आरके सिंह पटेल सोशल मीडिया में सक्रिय रहें जनप्रतिनिधि: लवकृश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा कानपुर-बुद्धेलखण्ड क्षेत्र के तीन जिलों महोबा, बांदा, चित्रकूट के नगरीय निकायों के बाड़े में स्मृति कार्यक्रम से विवेचना की गयी।



प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती कमलावती प्रशिक्षण में बैठक बहस के बाद निकायों को जोड़ने की विवेचना की गयी।

अधीर्षण एवं विवेचना की विवेचना की गयी।

अधीर्षण ए

विदेश संदेश

भारतीय मूल के विन गोपाल अमेरिकी सीनेट के लिए फिर चुने गए

न्यूयॉर्क
भारतीय-अमेरिकी राज्य सीनेटर विन गोपाल को राज्य के इतिहास की सबसे महंगी विधायी दौड़ जीतकर न्यू जर्सी सीनेट में तीसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। 38 वर्षीय डेमोक्रेट सीनेटर ने मंगलवार को 'न्यू जर्सी के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में अपने रिपब्लिकन को हरा दिया, जिससे डिनिस्ट्रिव्य के मुकाबले लगभग 60 प्रतिशत वोट हासिल हुए और डेमोक्रेट्स के लिए जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर नियंत्रण पाने में मदद मिली। उनके अधियाय के अनुसार, गोपाल वर्तमान में न्यू जर्सी राज्य सीनेट के सबसे कम उम्र के सदस्य और राज्य में सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले दक्षिण-एशियाई अमेरिकी हैं। अमेरिका के कम से कम 37 राज्यों में मंगलवार को मतदान खुले। नवंबर के आम चुनाव में 120 सीटों पर मतदान नवाज राज्य की विधायिका में राज्य न्यू जर्सी की विधायिका में राज्य



सीनेट और विधानसभा शामिल हैं और इसमें 40 जिलों से 120 सदस्य हैं। प्रत्येक जिले में सीनेट में एक प्रतिनिधि और विधानसभा में दो प्रतिनिधि होते हैं जो चार और दो वोटिंग कार्यकाल के लिए कार्य करते हैं। 'द फिलाडेलिक्या इन्व्यायर'

अखबार के अनुसार, नवंबर के आम चुनाव में सभी 120 सीटों पर मतदान होगा। 'न्यू जर्सी मॉनिटर' न्यूज पोर्टल के अनुसार, रिपब्लिकन-झूकाव वाला 11वां जिला इस साल रिपब्लिकन का एक प्रमुख फोकस था। रिपब्लिकन को उम्मीद थी कि स्कूलों में अपतटीय पवन और एलजीबीटीक्यू मुद्दों पर केंद्रित अधियायन डेमोक्रेट को बर्बाद कर देगा। रिपोर्ट के मुताबिक, जिले में गोपाल की सीट इस साल रिपब्लिकन पार्टी के शोर्श लश्यों में से एक है।

पाकिस्तान में लोगों को एक और झटका, आटे का रेट सुन उड़ जाएंगे आपके होश; एक किलो की कीमत 140 रुपये पहुंची

सरगोधा

आसमान छूती महंगाई की मार झेल रही पाकिस्तानी जनता पर मिल मालिकों ने और बोझ बढ़ा दिया है। सरगोधा के मिल मालिकों ने आटे की 20 किलो की बोरी की कीमत में 100 रुपये की वृद्धि कर दी है।

पाकिस्तान में आटे की मूल्य में जबरदस्त वृद्धि

पाकिस्तानी समाचार डॉन के अनुसार, मूल्य वृद्धि के बाद 20 किलो की बोरी की कीमत 2800 रुपये हो गई है। आठ मिल मालिक संघ के अध्यक्ष मियां मुहम्मद नवाज हसन और राव साजिद महमूद ने कहा है कि कार्यवाहक सरकार की खराब नीतियों के कारण अभी तक गेहूं का कोटा उपलब्ध नहीं कराया गया है। यही कारण है कि हमें प्रावक्तव्य सेवकर से ऊंची कीमत पर गेहूं खरीदना पड़ रहा है।

आने वाले दिनों में और भी रेट बढ़ने की आसार

मिल मालिकों ने खाद्यान्न विभाग से गेहूं का कोटा जारी करने की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार अधिकारिक कोटा जारी नहीं करती है तो गेहूं आपूर्ति के अभाव में आटे की कीमत प्रति बोरी और 50 से 100 रुपये तक बढ़ सकती है। मिल मालिक ऊंची कीमत पर गेहूं खरीदकर सरकारी दर पर आठ नहीं बेच सकते।

नवाज शरीफ ने मुताहिदा पार्टी के साथ किया गठबंधन, पूर्व पीएम शहबाज ने निभाई मुख्य भूमिका

लाहौर

पाकिस्तान में आम चुनाव की घोषणा हो चुकी है, जिसको देखते हुए चुनावी सरगमियाँ तेज हो गई हैं। देश में आम चुनाव आठ फरवरी को कराए जाएंगे। इस बीच एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान-मुस्लिम लीग नवाज और मुताहिदा पार्टी की मूर्खें पाकिस्तान धारणा की की वें आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। पाकिस्तान में अभी प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक कार्कोश के नेतृत्व में कार्यवाहक सरकार चल रही है। पाकिस्तान के जिस न्यूज के "वह फैसला लाहौर में पार्टी के मॉडल टाउन सचिवालय में पीएमएल-एन सुपीयों के बारे में शरीफ और एमस्क्यूएम-पी प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद आया है"

नवाज शरीफ और जरदारी के बीच फोन पर बातचीत सोमवार को पीएमएल-एन और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के शोप नेताओं ने घोषणा की थी कि वे देश को भलाई के लिए मिलकर काम करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और पूर्व प्रधानमंत्री असिक अली जरदारी के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसमें अन्य मुद्दों के अलावा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के बाद इसकी घोषणा की गई है।

शहबाज शरीफ ने करवाई दोनों नेताओं में बात

वहीं, मुताहिदा पार्टी की मूर्खें नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उसके नेता खालिद मकबूल सिद्दीकी से संपर्क किया और उन्हें अपने बड़े भाई शहबाज से लिपि लेकर एप्प लिए।

पाकिस्तान में राजनीतिक प्रचार तंज

इस बीच पाकिस्तान चुनाव आयोग के चुनावी तारीखों की घोषणा करने के बाद देश में राजनीतिक प्रचार तंज हो गया है। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ चार साल के बाद 21 अक्टूबर को स्वदेश लाई हैं। शरीफ स्वदेश लाईने के बाद से लगातार लाहौर में राजनीतिक गतिविधि कर रहे हैं और पार्टी नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI No: UPHIN/2001/09025

ऑफिस नं.: 9565333000

Email:- akhandbharatsandesh@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र

प्रयागराज हांगा।

पाकिस्तान में लोगों की एक और झटका, आटे का रेट सुन उड़ जाएंगे आपके होश; एक किलो की कीमत 140 रुपये पहुंची

वर्षों

आम चुनाव की मूर्खें

जीतकर न्यू जर्सी सीनेट में तीसरे

कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। 38 वर्षीय डेमोक्रेट सीनेटर ने मंगलवार को 'न्यू जर्सी के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में अपने रिपब्लिकन को हरा दिया, जिससे डिनिस्ट्रिव्य के मुकाबले लगभग 60 प्रतिशत वोट हासिल हुए और डेमोक्रेट्स के लिए जिले की दोनों विधानसभा सीटों पर नियंत्रण पाने में मदद मिली। उनके अधियाय के अनुसार, गोपाल वर्तमान में न्यू जर्सी राज्य सीनेट के सबसे कम उम्र के सदस्य और राज्य में सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले दक्षिण-एशियाई अमेरिकी हैं। अमेरिका के कम से कम 37 राज्यों में मंगलवार को मतदान खुले। नवंबर के आम चुनाव में 120 सीटों पर मतदान नवाज राज्य की विधायिका में राज्य न्यू जर्सी की विधायिका में राज्य



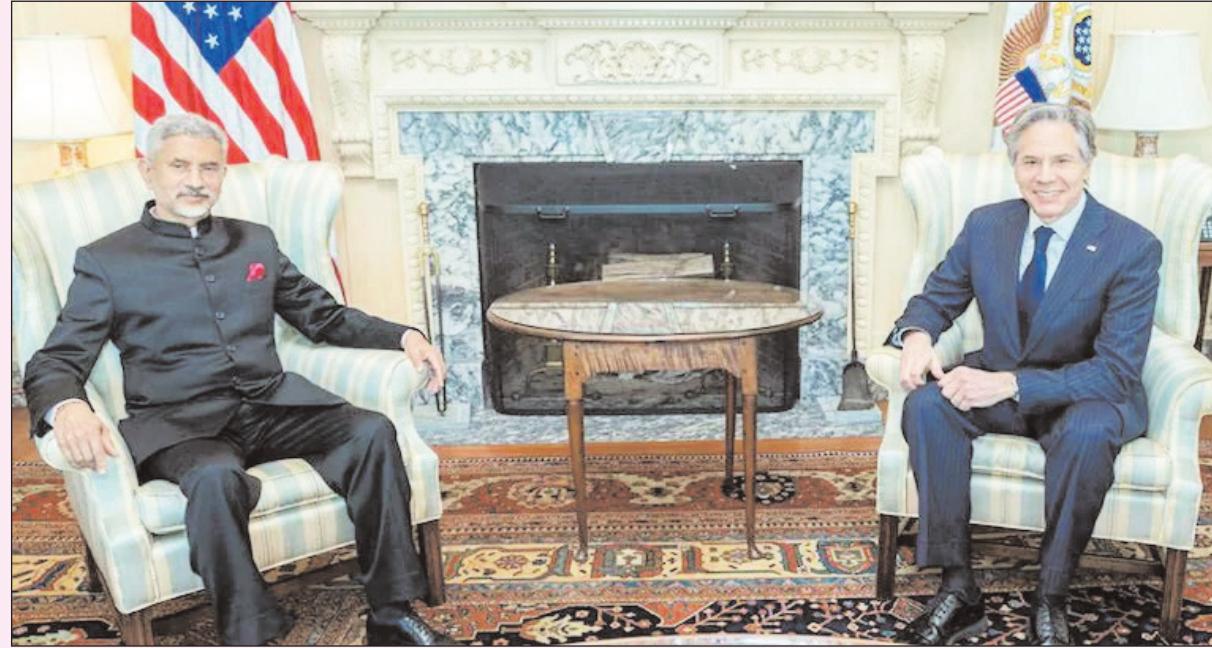
हथगोले-रॉकेट और अन्य कई सामान हैं

यरुद्ध के बीच अमेरिकी विदेश और रक्षा मंत्री आ रहे भारत, 2+2 मंत्रिस्तरीय होगी वार्ता

वॉशिंगटन

भारत ने अमेरिका के साथ आगामी 2+2 मंत्री स्तरीय वार्ता की पूरी तैयारी कर ली है। 10 नवंबर को भारत में 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता आयोजित होने वाली है। इस वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी बिल्कन अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं।

दोनों देशों के बीच मजबूत वैश्विक साझेदारी और हिंदू प्रशान्त क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच गहरे रणनीतिक रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए यह बेठक काफी महत्वपूर्ण है। अमेरिका के दोनों नेताओं की मुलाकात विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ होने की उम्मीद है।



आइडीएफ ने हमास आतंकियों के पास से बरामद किया है

इंस्टीट्यूट के निवेशक फरवा

आमेरिका ने इंस्टीट्यूट के निवेशक फरवा आमेरिका ने हमास को लेकर कहा कि इजरायल -हमास और रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से दोनों देशों पर पढ़े प्रभाव पर भारत

चर्चा होने की उम्मीद है। भारत और अमेरिका दोनों ने हमास के बिलाक इजरायल का साथ खड़े करना उनके लोगों के लिए अच्छा नहीं हो रहा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किंबी ने कहा कि राष्ट्रपति का मानना है कि इजरायली सेना द्वारा गाजा पर फिर से बिलाक इजरायल के बाबत चीज़ों की बात बदल रही है। बता दें कि इन्होंने किंबी के बाबत चीज़ों की बात बदल रही है।

कहा जाता है कि बातचीत ही एक मात्र समाधान है।

बेठक में भारत-कानाडा के बिंगड़ते रिश्तों पर भी चर्चा की उम्मीद है। बता दें कि कुछ दिनों पहले भारत और कानाडा के बिंगड़ते रिश्तों पर भी चर्चा हो गई थी। खालिस्तानी समर्थकों के बिलाक कनाड